पाठ्यक्रम (Syllabus of the Course)

पीएच. डी. कोर्स वर्क (Ph.D. Course Work) :

प्रोग्राम परिचय (ProgrammeIntroduction) :

प्री-पीएच. डी. पाठ्यक्रम उन छात्रों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया जिन्हें पीएच. डी में प्रवेश लेते समय शोध प्रबंध लेखन के संबंध में जानकारी नहीं होती। इस छमाही पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है कि शोधार्थियों को शोध प्रबंध पूर्ण करने का वैज्ञानिक तरीका बताया जा सके और वह अपना शोध प्रबंध लेखन में शोध प्रबंध लेखन की विधियों का प्रयोग कर उसे गुणवत्तापूर्ण बना सके। आज शोध प्रबंध लेखन में तकनीक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और नई तकनीक ने पूरी की पूरी शोध पद्धति को बदल कर रख दिया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य उस तकनीक से भी छात्रों को अवगत कराना है जिससे वह शोध प्रबंध लेखन में नए वैज्ञानिक शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग कर आसानी से अपने लिए सामग्री संकलित कर अपने शोध प्रबंध को अंतिम रूप दे सकें। शोध छात्र के अधिकांश विषय इसके भीतर समाहित करने का प्रयास किया गया है। अपनी के अनुसार विषय का चुनाव कर उससे संबंधित प्रारंभिक जानकारी 6 माह के इस पाठ्यक्रम के दौरान प्राप्त कर सके।

पाठ्यक्रम उपयोगिता (Programme Outcomes) :

- शोधार्थी शोध के महत्व को जान सकेगा और उसकी सामाजिक उपादेयता को समझेगा।
- शोधपत्र लेखन की कलाओं की विधिवत जानकारी होने के साथ ही लेखन कला का विकास होगा।
- समकालीन पत्र-पत्रिकाओं और प्रकाशन की आचार संहिता से शोधार्थी को अवगत करना।
- कंप्यूटर का प्रारम्भिक ज्ञान।
- शोधार्थी शोध दृष्टि का विकास होगा।
- नवीन शिक्षण प्रविधियों से छात्र अवगत हो सकेगा।
- शोधार्थी को अपने शोध विषय की प्रारम्भिक जानकारी देकर उसे शोध प्रबंध लेखन में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करना।
- साहित्यिक चोरी से छात्रों को सचेत करना।

केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
भाषा एवं तुलनात्मक साहित्य विद्यापीठ
हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

पाठ्यक्रम पीएच. डी. कोर्स वर्क
प्रवेश वर्ष 2021 से प्रारंभ

केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

School of Languages and Comparative Literature
Department of Hindi and Comparative Literature

भाषा एवं तुलनात्मक साहित्य विद्यापीठ
हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

पाठ्यक्रम पीएच. डी. कोर्स वर्क
हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
प्रवेश वर्ष 2021 से प्रारंभ

Syllabus
PhD Course Work
Admission 2021 Onwards

पाठ्यक्रम समिति

पीएच. डी. कोर्स वर्क (हिन्दी एवं तुलनात्मक साहित्य)

पाठ्यक्रम समिति :

01	डॉ.तारु एस.पवार	उपाचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	अध्यक्ष
02	प्रो. सुधा बालकृष्णन	आचार्य, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
03	डॉ. धर्मेंद्र प्रताप सिंह	सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
04	डॉ. शलिनी एम.	सहायक आचार्य, अँग्रेजी विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
05	डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल	डायरेक्टर जनरल, वैश्विक हिन्दी शोध संस्थान, देहरादून	सदस्य
06	प्रो. (डॉ.) जयचन्द्रन आर.	आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल	सदस्य
07	प्रो. (डॉ.) शांति नायर	आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, केरल	सदस्य
08	डॉ. सुमा रोडनवर	उपाचार्य एवं पी. जी. संयोजक, हिन्दी विभाग, विश्वविद्यालय कॉलेज मंगलोर, कर्नाटक	सदस्य

Syllabus Committee

Ph.D. Course Work (Hindi and Comprative Literature)

Syllabus Committee :

01	Dr. Taru S. Pawar	Associate Professor & Head, Department of Hindi, CUK.	Chairperson
02	Prof. Sudha Balakrishnan	Professor, Department of Hindi, CUK.	Member
03	Dr. Dharmendra Pratap Singh	Assistant Professor, Department of Hindi, CUK.	Member
04	Dr. Shalini M	Assistant Professor, Department of English, CUK.	Member
05	Dr. Jayanti Prasad Nautiyal	Director General, Global Hindi Research Institute, Dehradun.	Member
06	Prof. (Dr.) Jayachandran R.	Professor & Head, Department of Hindi, Kerala University, Kerala	Member
07	Prof. (Dr.) Shanti Nair	Professor & Head, Deaprtment of Hindi, Sree Sankarachayaya University of Sanskrit, Kalady, Kerala.	Member
08	Dr. Suma T. Rodanvar	Associate Professor & P.G. Co-ordinator, Department of Hindi, University College, Mangalore, Karanataka.	Member

पाठ्यक्रम : पीएच. डी. कोर्स वर्क

Code	पाठ्यक्रम व विषयवस्तु	L	T	P	C
सेमेस्टर	आधारभूत पाठ्यक्रम				16
LHC7101	शोध प्रविधि	3	1		4
LHC 7102	शोध और प्रकाशन का नीतिशास्त्र				2
LHC7103	आलोचना प्रविधि : साहित्यिक आलोचनात्मक दृष्टियाँ	3	1		4
LHC7104	शोधपरक अध्ययन : बिंदु और दृष्टियाँ	5	1		6

पाठ्यक्रम (Syllabus of the Course)

पीएच. डी. कोर्स वर्क (Ph.D. Course Work) :

प्रोग्राम परिचय (ProgrammeIntroduction) :

प्री-पीएच. डी. पाठ्यक्रम उन छात्रों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया जिन्हें पीएच. डी में प्रवेश लेते समय शोध प्रबंध लेखन के संबंध में जानकारी नहीं होती। इस छमाही पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य है कि शोधार्थियों को शोध प्रबंध पूर्ण करने का वैज्ञानिक तरीका बताया जा सके और वह अपना शोध प्रबंध लेखन में शोध प्रबंध लेखन की विधियों का प्रयोग कर उसे गुणवत्तापूर्ण बना सके। आज शोध प्रबंध लेखन में तकनीक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और नई तकनीक ने पूरी की पूरी शोध पद्धति को बदल कर रख दिया है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य उस तकनीक से भी छात्रों को अवगत कराना है जिससे वह शोध प्रबंध लेखन में नए वैज्ञानिक शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग कर आसानी से अपने लिए सामग्री संकलित कर अपने शोध प्रबंध को अंतिम रूप दे सकें। शोध छात्र के अधिकांश विषय इसके भीतर समाहित करने का प्रयास किया गया है। अपनी के अनुसार विषय का चुनाव कर उससे संबंधित प्रारंभिक जानकारी 6 माह के इस पाठ्यक्रम के दौरान प्राप्त कर सके।

पाठ्यक्रम उपयोगिता (Programme Outcomes) :

- शोधार्थी शोध के महत्व को जान सकेगा और उसकी सामाजिक उपादेयता को समझेगा।
- शोधपत्र लेखन की कलाओं की विधिवत जानकारी होने के साथ ही लेखन कला का विकास होगा।
- समकालीन पत्र-पत्रिकाओं और प्रकाशन की आचार संहिता से शोधार्थी को अवगत करना।
- कंप्यूटर का प्रारम्भिक ज्ञान।
- शोधार्थी शोध दृष्टि का विकास होगा।
- नवीन शिक्षण प्रविधियों से छात्र अवगत हो सकेगा।
- शोधार्थी को अपने शोध विषय की प्रारम्भिक जानकारी देकर उसे शोध प्रबंध लेखन में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करना।
- साहित्यिक चोरी से छात्रों को सचेत करना।

LHC 7101–शोध प्रविधि

Course Code	LHC 7101	Semester	I(First)
Name of Course	शोध प्रविधि (Shodh Pravidhi)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

वर्तमान युग यांत्रिक और प्राविधिक होने के कारण यह देखा जाता है अनुसंधान और आलोचना की प्रविधि, प्रक्रिया और तथ्यों पर ज़ोर दिया जाता है। शोध प्रक्रिया की विभिन्न अवस्थाओं को प्रविधि कहते है, जैसे- विषय प्रस्तावना, विषय प्रतिपादन, संदर्भ आकलन, निष्कर्ष निकालना तथा ग्रंथ सूची निर्माण आदि इसे शोध प्रविधि का शिल्प विधान भी कहा जा सकता है। इसमें चार इकाइयों हैं। इकाई एक में शोध का अर्थ, परिभाषा आदि तथा दूसरे इकाई में साहित्यक अनुसंधान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान की बात है, तीसरे में विषय चयन अनुक्रमणिका, भूमिका लेखन आदि, चतुर्थ इकाई में शोध परियोजना प्रतिवेदन और कम्प्यूटर आदि।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- शोध प्रविधि के अंतरगत शोध कार्य का सानुपातिक तथा वैज्ञानिक अध्ययन का सूक्ष्म निर्देशन दिया जाता है।
- भूमिका लेखन, प्रबंध लेखन ,प्रबंध लेखन में एक सानुपातिक व्यवस्था होनी चाहिए, तीनों के संतुलित होने से शोध कार्य सफल और सार्थक होता है। अतः शोध प्रक्रिया और शोध व्यवस्था के वैज्ञानिक तत्व शोधार्थी को व्यवस्थित शोध आध्ययन के लिए प्रेरित करता है।
- मनोविज्ञान, समाजशास्त्र ,साहित्य, भाषा विज्ञान के शोध विषयों की प्रविधि एक दूसरे से भिन्न होते हैं।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई – एक

शोध का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रयोजन, उद्देश्य एवं महत्व, अवधारणा या संकल्पना, अनुसन्धान में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना एवं कल्पना, अनुसन्धान में तथ्य एवं सत्य, हिन्दी अनुसन्धान का विकास।

इकाई – दो

साहित्यिक अनुसन्धान एवं वैज्ञानिक अनुसन्धान में साम्य एवं वैषम्य, शोध के प्रकार : ऐतिहासिक शोध, तुलनात्मक शोध, भाषा वैज्ञानिक अनुसन्धान, लोकतात्विक शोध आदि।

इकाई – तीन

अनुसन्धान – विषय चयन, स्त्रोत सामग्री-संकलन, अनुक्रमणिका, भूमिका लेखन, शीर्षक, उपशीर्षक, उपसंहार, पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, संदर्भ ग्रन्थ सूची, शोध प्रबंध की रूप-रेखा, अनुसन्धान एवं निर्देशन की पात्रता तथा उत्तरदायित्व

इकाई – चार

शोध परियोजना प्रतिवेदन (रिपोर्ट), कम्प्यूटर की संरचना, कंप्यूटर की उपयोगिता और महत्व, इन्टरनेट प्रविधि एवं उपयोगिता, ई-मेल प्रविधि, ब्लॉग लेखन, माईक्रोसाफ्ट वर्ड, माईक्रोसाफ्ट पावर पॉइंट, माईक्रोसाफ्ट इक्सेल।

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड ‘क’ में 1 से 6टिप्पणी होंगी जिनमें तीन करने होंगे (3x5 = 15)।खंड ‘ख’ 7 से 12 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x15 = 45)।

संदर्भ सूची :

1. विनय मोहन शर्मा – शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
2. चंद्रयान रावत – शोध प्रविधि और प्रक्रिया, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
3. विजय पाल सिंह, हिन्दी अनुसन्धान, राजपाल एंड संस, काश्मीरी गेट, दिल्ली
4. शशिभूषण सिंघल – साहित्यिक शोध के आयाम, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
5. नगेन्द्र – शोध और सिद्धांत, पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
6. म.ह. राजुरकर एवं – हिन्दी अनुसंधान : स्वरूप और विकास, राजकमल बोरा, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
7. रवीन्द्र कुमार जैन – साहित्यिक अनुसन्धान के आयाम, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
8. डॉ, एस,एन गणेशन – अनुसन्धान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. डॉ. ओमप्रकाश – अनुसन्धान की समस्याएँ सुख पाल गुप्त, आर्य बुक डिपो 30, नाईवाला, करोलबाग, नयी दिल्ली-110005
10. डॉ. मनमोहन सहगल – हिन्दी शोध तंत्र की रुपरेखा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

LHC 7102 : शोध और प्रकाशन का नीतिशास्त्र

Course Code	LHC 7102	Semester	I (First)
Name of Course	शोध और प्रकाशन का नीतिशास्त्र (Shodh Aur Prakashan Ka Neetishastra)		
क्रेडिट	2	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय :

यह पाठ्यक्रम शोधार्थियों को प्रकाशन के नीतिशास्त्र एवं प्रकाशन के अनुचित आचरण के प्रति जागरूक बनाएगी। इसे छह इकाइयों में विभाजित किया गया है जो मोटे तौर पर सिद्धांत और व्यवहार पर आधारित है। सिद्धांत वाले अध्ययन भाग में दर्शन और नीतिशास्त्र को केंद्र में रखा गया है। व्यावहारिक भाग के अंतर्गत मुक्त प्रकाशन, प्रकाशन के अनुचित आचरण और डाटाबेस शोध नियमावली पर ध्यान दिया गया है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कक्षा शिक्षण, अतिथि व्याख्यान, समूह चर्चा और व्यावहारिक पक्ष का समावेश किया गया है।

प्रश्नपत्र की उपयोगिता :

- इस पाठ्यक्रम के अंत में विद्यार्थी दर्शन शास्त्र और नीतिशास्त्र के सिद्धांतों की मूल अवधारणा को समझ पाएगा।
- शोध के वैज्ञानिक आचरण की सराहना करेगा और उसका अनुसरण करेगा।
- प्रकाशन के नीतिशास्त्र का अनुसरण कर आलेख प्रकाशन के लिए तैयार करेगा।
- खुली पहुंच प्रकाशन को समझेगा और खोजेगा।
- प्रकाशन के अनुचित आचरण को समझेगा और उनसे बचने की कोशिश करेगा।
- डाटाबेस और शोध नियमावली की अच्छी जानकारी रखेगा।

(अ) सिद्धांत

RPE 01 दर्शन एवं नीतिशास्त्र (3 घंटा)

1. दर्शनशास्त्र का परिचय, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, संकल्पना शाखा आदि का परिचय।
2. नीतिशास्त्र : परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णय की प्रकृति और प्रतिक्रिया।

RPE 02 वैज्ञानिक आचरण (5 घंटा)

1. विज्ञान और शोध के परिप्रेक्ष्य में नीतिशास्त्र

2. बौद्धिक ईमानदारी और शोध की अखंडता।
3. वैज्ञानिक अनुचित आचरण : अप्रामाणिक, छल रचना, साहित्यिक चोरी।
4. अनावश्यक प्रकाशन : समरूप और अंशत: समान प्रकाशन,SamaliSliching
5. चयनात्मक रिपोर्टिंग और डेटा कीगलत बयानी।

RPE 03प्रकाशन के नीतिशास्त्र (7 घंटा)

1. प्रकाशन का नीतिशास्त्र, : परिभाषा, परिचय, आवश्यकता
2. उत्तम प्रयोग / गुणवत्तापूर्ण पहल एवं दिशा-निर्देशन COPE, WAME आदि
3. वैक्तिक प्रभाव ।
4. आचार संहिता का उल्लंघन : परिभाषा, संकल्पना,आचार संहिता के उल्लंघन की चुनौतियां
5. प्रकाशन के नैतिकता,रचनाधर्मिता और सहधर्मिता,योगदान का उल्लंघन
6. आचार संहिता युक्त प्रकाशन, शिकायत और संज्ञान
7. उत्तेजना युक्त प्रकाशन और पत्र-पत्रिकाएं

(ब) प्रयोग व्यवहार

RPE 04व्यापक / खुली पहुँच प्रकाशन (4 घंटा)

1. मुक्त प्रकाशन और पहल
2. प्रकाशन के सर्वाधिकार एवं संग्रह नीतियों की जांच-पड़ताल करने के लिए SHERPA / ROMEO जैसे ऑनलाइन साधन
3. एसएसपीयू (SSPU) द्वारा विकसित हिंसक प्रकाशनों की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर उपकरण
4. पत्रिका की खोज /खोजी पत्रकारिता के उपकरण Viz JANE, Elsiever Journal Finder, Springer Journal Suggester etc.

RPE 05 प्रकाशन के अनुचित आचरण (4 घंटा)

अ) समूह चर्चा

1. विषय विशिष्ट ने समस्याएं,FFP, ग्रंथकारिता

2. विचारों का महत्व

3. शिकायत और संज्ञान

ब) सोफ्टवेयर टूल्स

साहित्यिक चोरी रोकने के सॉफ्टवेयर (Turnitin, Urkund, others opensoursesoftwere)

RPE 06 डाटाबेस और शोध नियमवाली (7 घंटा)

(अ) डाटाबेस (4 घंटा)

1. अनुक्रमणिक सांख्यिकी
2. अनुक्रमणिक उद्धरण

(ब) अनुसंधान नियमावली

1. पत्रिकाओं की प्रतिपुष्टि प्रभाव (इम्पैक्ट फैक्टर) अनुक्रमणिक उद्धरण के अनुसार (SNIP, SJR, IPP, Cite Score)

2. नियमावली (H-index, G-index, i10 index, Altimetrics)

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 6टिप्पणी होंगी जिनमें तीन करने होंगे (3x5 = 15)।खंड 'ख' 7 से 12 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x15 = 45)।

LHC 7103–आलोचना प्रविधि : साहित्यिक आलोचनात्मक दृष्टियाँ

Course Code	LHC 7103	Semester	I(First)
Name of Course	आलोचना प्रविधि : साहित्यिक आलोचनात्मक दृष्टियाँ (Alochana Pravidhi : Sahityik Alochanatmak Drishtiyan)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

शोध प्रक्रिया में आलोचना का विशेष महत्त्व होता है। शोधार्थी विषय से संबन्धित तथ्यों को संग्रह कर वर्गीकरण, विश्लेषण तथा विवेचन आलोचन के क्षेत्र प्ररिधि में ही करता है। शोध का विवेचन निर्वैयत्तिक होता है अतः शोधार्थी में आलोचनात्मक प्रक्रिया का होना अनिवार्य होता है। अतः आलोचना प्रविधि आलोचनात्मक शैली और शोधपरक शैली के दर्शन होते है। आलोचनात्मक शैली समस्त प्रकार के शोध विषयों के दृष्टिगत होता है। चाहे वह विषय मनोविज्ञान या शिक्षाशास्त्र गृहविज्ञान हो या साहित्यक शोध।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- आलोचना प्रविधि शोधार्थी को विषय की गहराई में उतारने तथ्यों का विश्लेषण तथा वर्गीकरण करने की क्षमता प्रदान करता है।
- विषय की पूर्णता तक पहुँचने के लिए शोधार्थी को तहती संग्रह से लेकर संयोजन तक की यात्रा करनी पड़ती है।
- यह शुद्धशोध यात्रा आलोचन से अनुप्राणित होता है।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई – एक

आलोचना : प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना, भारतेंदु युग एवं द्विवेदी युगीन आलोचना आदि, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक आलोचना, रामचन्द्र शुक्ल एवं उनकी आलोचना प्रविधि, वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र आदि की प्रगतिशील आलोचनात्मक दृष्टियाँ, नई आलोचना, अज्ञेय और दूसरे कवि एवं आलोचकों का योगदान, नई प्रवृत्तियाँ, समाजशास्त्रीय दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि, सौन्दर्यशास्त्रीय दृष्टि, मनोविश्लेषण दृष्टि, रूपवादी दृष्टि, मिथकीय दृष्टि, शैली वैज्ञानिक दृष्टि, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद आदि।

इकाई – दो

कविता : प्रारम्भिक दौर का सर्वेक्षण : भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि, नयी कविता के प्रमुख कवि और प्रमुख कविताएँ, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता के प्रमुख कवि और उनकी प्रमुख रचनाएँ।

इकाई – तीन

उपन्यास : प्रारम्भिक काल, प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग और प्रेमचंदोत्तर युगीन उपन्यासकार एवं उनके उपन्यास, समकालीन उपन्यास, नयी प्रवृत्तियों में महिला उपन्यास, दलित उपन्यास, पर्यावरण से सम्बंधित प्रमुख उपन्यास, इक्कसवीं सदी के प्रमुख उपन्यास एवं उपन्यासकार।

इकाई – चार

कहानी : प्रारम्भिक दौर, प्रेमचंद पुव युग, प्रेमचंद युग एवं प्रेमचन्दोतत्र युगीन प्रमुख कहानीकार एवं उनकी प्रमुख कहानियाँ।

नाटक : प्रारम्भिक दौर का सर्वेक्षण, भारतेंदु युग, प्रसाद युग, स्वतंत्र्योत्तर युग, समकालीन युग के प्रमुख नाटककार एवं उनके प्रमुख नाटक।

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40)** : लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 6टिप्पणी होंगी जिनमें तीन करने होंगे (3x5 = 15)।खंड 'ख' 7 से 12 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x15 = 45)।

संदर्भ सूची :

1. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' – मार्क्सवादी. समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. उदयभान सिंह, हरभजन सिंह, साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ
3. श्यामसुंदर दास – साहित्यालोचन, इंडियन प्रेस, प्रयाग
4. कृष्णबिहारी झारी - साहित्यालोचन, प्राग प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. राममूर्ति त्रिपाठी – भारतीय काव्य विमर्श, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. नामवर सिंह – कालमार्क्स : कला एवं साहित्य चिन्तन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. निर्मला जैन – पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल – हिन्दी आलोचना के नये वैचारिकी सरोकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
9. David Daiches – Various approach to Literature
10. Ulber Scott – Five approach to Literature
11. W K Wimsatt& Beardsley – Literature Criticism- A Short History, Oxford & BH, New Delhi
12. I.A Richerds – Principles of Literature Criticism

LHC 7104–शोधपरक अध्ययन : बिंदु और दृष्टियाँ

Course Code	LHC 7104	Semester	I(First)
Name of Course	शोधपरक अध्ययन :बिंदु और दृष्टियाँ (Shodhparak Adhyayan : Bindu Aur Drishtiyan)		
क्रेडिट	4	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

तृतीय पत्र शोध परक अध्ययन- बिन्दु और दृष्टियों पर आधारित है, जिसमें समस्त विधाओं को समेटा गया है। भक्तिकाल की कविता को लेकर समकालीन कविताओं की प्रवृतियों पर प्रकाश डाला गया है। भक्तिकाल की कविता से लेकर अनुवाद अध्ययन की सूक्षम बिन्दुओं की पहचान कराई गयी है। समस्त नयी विधाओ का अध्ययन शोधार्थी के लिए उपयोगी सिद्ध होता है। विधाओं मे होने वाले परिवर्तन से शोधार्थी अवगत हो सकता है।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- आलोचना प्रविधि शोधार्थी को विषय की गहराई में उतारने तथ्यों का विश्लेषण तथा वर्गीकरण करने की क्षमता प्रदान करता है।
- विषय की पूर्णता तक पहुँचने के लिए शोधार्थी को तहती संग्रह से लेकर संयोजन तक की यात्रा करनी पड़ती है।
- यह शुद्धशोध यात्रा आलोचन से अनुप्राणित है।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

भक्ति की अवधारणा-भक्ति का उदय और हिन्दी में भक्ति आन्दोलन, हिन्दी में भक्ति साहित्य और धाराएँ, हिन्दी में निर्गुण भक्ति, सूफी कविताएँ, कृष्ण भक्ति कविताएँ, आधुनिक युग में हिन्दी कविताएँ, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग, प्रगतिवादी कविताएँ, प्रयोगवादी कविताएँ, नयी कविता और अन्य समकालीन प्रवृत्तियां।

आधुनिक हिन्दी कविता-आधुनिक हिन्दी कविता का उद्भव और विकास, भारतेंदु युग की कविताएँ, द्विवेदी युग और छायावाद की कविताएँ, प्रगतिवादी कविताएँ, प्रयोगवादी कविताएँ, प्रयोगवाद और नयी कविता की विशेषताएं और प्रवृतियाँ, समकालीन प्रमुख कवि और कविताओं की विशेषताएँ आदि।

आधुनिक हिन्दी उपन्यास-हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास, प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचन्दोत्तर युग, प्रुमख उपन्यासकार और उनकी रचनाएं और विशेषताएं। स्वातंत्र्योत्तर काल के उपन्यासों की मुख्य विशेषताएं, प्रमुख

उपन्यासकार और रचनाएं, समकालीन हिन्दी उपन्यासों की प्रमुख विशेषताएं, प्रवृतियाँ,कला तथा प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान।

हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास- प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचन्दोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर कालीन हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृतियाँ, विभिन्न कहानी आन्दोलन, समकालीन कहानी की प्रमुख प्रवृतियाँ, विशेषताएँ, शिल्प कला की दृष्टि से प्रमुख कहानीकारों का योगदान।

आधुनिक हिन्दी नाटक–नाटक के तत्व, भारतीय और पाश्चात्य नाटकों की अवधारणा, हिन्दी आधुनिक नाटक की शुरुआत, भारतेंदु युग, प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, ऐतिहासिक नाटक, समस्यामूलक नाटक, यथार्थवादी नाटक, नए प्रयोगात्मक नाटक, हिन्दी रंगमंच का विकास, लोक नाट्य (लोक-रंगमंच), पारसी थियेटर, आधुनिक हिन्दी रंगमंच आन्दोलन, नाटक के नये रूपों का विकास और उनकी प्रवृत्तियाँ, एकांकी, नाटक, संगीत, रेडियों नाटक तथा अन्य नाटक रूप, समकालीन हिन्दी हिन्दी नाटक, प्रमुख हिन्दी नाटककारों का योगदान, विशेषताएँ, शिल्प कला आदि।

आधुनिक हिन्दी आलोचना–भारतीय काव्यशास्त्र का ऐतिहासिक विकास, भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदाय, रस, अलंकर, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य, हिन्दी आलोचना का विकास, शुक्ल पूर्व युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र, विश्वनाथप्रसाद मिश्र, रामविलास शर्मा, हिन्दी में नयी आलोचना, नयी प्रवृतियाँ, सौंदर्यवादी, मनोवैज्ञानिक, आदर्शवादी, शैलीगत आलोचना, उत्तर आधुनिक आदि।

निबंध और अन्य गद्य विधाएँ–निबंध के तत्व, हिन्दी में निबंधों का विकास, आधुनिक हिन्दी निबंधो के विभिन्न प्रकार, प्रवृतियाँ, कला और शैली। हिन्दी निबंधों का उद्भव और विकास और हिन्दी में जीवनी और आत्मकथा- जीवनी और आत्मकथा में अंतर, जीवनी और आत्मकथाएँ और दलित आत्मकथाएँ, रेखाचित्र, परिभाषा, विशेषताएँ और विकास। प्रमुख कृतियों का योगदान। हिन्दी में पत्र तथा संस्मरण, रिपोतार्ज, डायरी, यात्रा-वृतांतों का विकास, प्रमुख रचनाकारों की रचनायें और विशेषताएं।

भाषा-विज्ञान और भाषा अध्ययन–भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान का क्षेत्र, शाखा, ध्वनि, शब्द संरचना, वाक्य-विन्यास, अर्थ-विज्ञान, अर्थ-विचलन और त्रुटि विश्लेषण। भाषा की परिभाषा व् विभिन्न रूप बोली, उपबोली, पिजिन और क्रियोल आदि। भारत में भाषा परिवार, हिन्दी में भरोपिय भाषाएँ, प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक भाषाओँ का विकास। हिन्दी की बोलियाँ, हिन्दी का विश्व भाषा के रूप में विकास। लिपि का उद्भव और विकास, भारतीय लिपि- उद्भव और विकास (देवनागरी लिपि)

हिन्दी में महिला लेखन–स्त्रीवादी साहित्य के सिद्धांत तथा संकल्पना, हिन्दी में स्त्री लेखन का विकास, स्त्रीवादी साहित्य, भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रसिद्ध स्त्रीवादी लेखिकाएँ। हिन्दी आलोचना और स्त्रीवादी लेखिकाएँ, हिन्दी उपन्यास और स्त्री

लेखिकाएँ, हिन्दी कविताएँ और स्त्रीवादी लेखिकाएँ, हिन्दी नाटक और स्त्रीवादी लेखिकाएँ, समकालीन लेखिकाएँ, प्रमुख रचनायें, प्रवृतियाँ और शैली आदि।

हिन्दी में दलित लेखन–दलित लेखन का अर्थ और परिभाषाएँ, ऐतिहासिक आन्दोलन, भारत में दलित आन्दोलन और साहित्य, हिन्दी साहित्य में विकास तथा दलित आलोचना। दलित आन्दोलन के दलित नेता, अछुतानंद, महात्मा ज्योतिबा फूले, श्री नारायण गुरु, बाबा साहेब अम्बेडकर आदि। हिन्दी दलित साहित्य में आत्मकथा, कविता, उपन्यास, नाटक तथा अन्य रूपों का विकास तथा प्रमुख रचनाकारों का योगदान और मुख्य विशेषताएँ आदि।

अनुवाद अध्ययन–अनुवाद अध्ययन का क्षेत्र तथा उद्देश्य। अनुवाद का स्वरूप तथा विकास। अनुवाद का इतिहास और अनुवाद के सिद्धांत, अनुप्रयुक्त और अनुवाद। सांकेतिकता, सामाजिक भाषा विज्ञान,शैली विज्ञान, वाक्य विज्ञान, शब्द संरचना। मशीनी अनुवाद और कम्प्यूटर शब्द कोश की तैयारी, वैज्ञानिक तथा व्यावसायिक अनुवाद और तकनीकी शब्दावली की समस्याएँ तथा अनुवाद,काव्यशास्त्र के रूप तथा साहित्यिक अनुवाद।

सामाजिक, आर्थिक विकास में अनुवाद की भूमिका, सांस्कृतिक और राजनीतिक अभिप्राय या अर्थ तथा संभवनाएँ।

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40)** : लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक ।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड ‘क’ में 1 से 6टिप्पणी होंगी जिनमें तीन करने होंगे (3x5 = 15)।खंड ‘ख’ 7 से 12 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x15 = 45)।